

4

04.03.2022

पत्रावली पेश हुई। मधिवक्ता उभयपक्षों से।
 मधिवक्ता उभयपक्षों की पत्रावली पर
 बहस सुनी गई। मधिवक्ता मपीलॉट ने
 बहस करते हुए निवेदन किया कि
 मधीनस्थ न्यायालय द्वारा मपीलॉट को
 सुनवाई का समुचित अवसर नहीं
 दिया गया। मपीलाधीन निर्णय कैम्प कोर्ट
 में पारित किया गया। अतः मपील
 स्वीकार फरमाई जावे।

राजकीय मजिभाषक ने पत्रावली पर
 बहस करते हुए निवेदन किया कि
 मधीनस्थ न्यायालय द्वारा मपीलॉट
 को सुनवाई का समुचित अवसर दिया
 गया। मपीलाधीन मादली राजकीय
 मूक्ति इजिलमें खतिज देनाहित क्षेत्र है।
 मपीलाधीन मादली पर मपीलॉट का
 कोई हक नहीं बनता है। मधीनस्थ
 न्यायालय द्वारा मपीलाधीन मोदेश
 विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन
 करते हुए पारित किया गया। मपील
 स्वीकार फरमाई जावे।

राजस्व मपील अधिकारी
 बाहमेर

न्याया
 विधि
 क्रिमे
 विवे
 मपी
 बह
 मि
 व

अधिवक्ता, उच्च न्यायालय की पत्रावली पर अहकाम सुनी गई। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा मपीलाधीन आदेश के म कोर्ट में पारि क्रिया गया। म कोर्ट की सुनवाई मपीलाधीन को नहीं दी गई। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा मपीलाधीन को सुनवाई का आवक नहीं दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा मपीलाधीन आदेश निर्णय विधि द्वारा स्थापित उक्ति का पालन क्रिये बिना पारि क्रिया गया। उपरोक्त विवेक एवं तथ्यों के आलोक में मपीलाधीन कोर्ट को सुनवाई करने योग्य ठहराया है।

मपीलाधीन कोर्ट को सुनवाई की जाती है तथा अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अहकाम फरवरी 2012 में पारि निर्णय दिनांक 09.09.2016 को मपा ल क्रिया जाकर उक्त अधीनस्थ न्यायालय को इस निर्देश के साथ उचित क्रिया की जाती है कि मपीलाधीन को सुनवाई का अवसर दिया जाकर सुनवाई पर निर्णय पारि कले उच्च न्यायालय अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष दिनांक 17.05.2022 को उपस्थित रहे। अधीनस्थ न्यायालय का मपीलाधीन मय निर्णय उक्त कोर्ट में पत्रावली के माध्यम से मपा ल ले कर होकर बाद मपीलाधीन को सुनवाई को सुनवाई के माध्यम से मपा ल

राजेश अर्पल अधिकारी